हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 29 .0 डिग्री
न्यूनतम 12 .0 डिग्री

11 विद्यार्थी खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं: मनदीप

11 छात्राओं ने जमकर उड़ाया गुलाल

खबर संक्षेप

विदेश भेजने का झांसा देकर बारह लाख हड़पे

जींद। ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर 12 लाख रुपये हड़पने पर शहर थाना पुलिस ने महिला समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कृष्णा कॉलोनी निवासी प्रवीण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह विदेश में जा कर काम करने का इच्छुक था।

अमेरिका भेजने के नाम पर ठगी के आरोपी काबू

कैथल। अमेरिका भेजने के सब्जबाग दिखाकर लाखों रुपए ठगी करने के मामले में एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए इकनॉमिक सैल के एएसआई सुरेंद्र सिंह की टीम द्वारा आरोपी असंध जिला करनाल निवासी हर्ष प्रताप तथा वेस्ट दिल्ली निवासी अजीत सिंह उर्फ बोबी को गिरफ्तार कर लिया गया।

कार की टक्कर से बाइक सवार होमगार्ड घायल

जींद। सफीदों के जींद रोड पर बीती देर रात बाइक को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार होमगार्ड के दो जवान घायल हो गए। शहर थाना सफीदों पुलिस मामले की जांच कर रही है।
गांव बुढाखेड़ा निवासी रोहित तथा मनीष सदर थाना सफीदों में होमगार्ड के पद पर कार्यरत हैं। बीती देर रात दोनों अपनी ड्यूटी समाप्त कर घर लौट रहे थे।

रास्ता रोककर मारपीट का आरोप, मामला दर्ज

कैथल। गांव शेरगढ़ में रास्ता रोककर मारपीट के एक मामला प्रकाश में आया है। गांव रोहेड़ा के योगेश ने तितरम पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 6 मार्च को जब वह गांव शेरगढ़ से जा रहा था तो साहिल ने अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ मिलकर उसका रास्ता रोकते उसके साथ थप्पड़-मुक्कों तथा चाकू से मारपीट कर उसे घायल कर दिया।

गांव मटौर में मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। मटौर में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। देवेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 6 मार्च को प्रशांत साहिल व एक अन्य व्यक्ति ने उसे पर गंडासियों से मारपीट करते उसे घायल कर दिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल मनदीप ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर हमला फायरिंग का आरोप

जींद। शिव कालोनी में शनिवार को उस समय हडकंप मच गया जब एक महिला को गोली को छर्रे लगने के आरोप लगाते हुए उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोर मकान से हजारों का सामान लेकर फरार

कैथल। पुंडरी के चीमा कॉलोनी स्थित मकान से चोर हजारों रुपए का सामान चुरा कर ले गए। चीमा कॉलोनी की रीना ने पूरी पुलिस को शिकायत में आरोप लगाया है कि 5 मार्च की रात को कर उसके घर में घुसकर उसके जेवरात व 32000 रुपए चुरा कर ले गए। चुराए गए सामान की कीमत करीब 50000 बताई गई है।

पुलिस कार्यशैली पर उठाए सवाल

जींद। गत 11 फरवरी नरवाना क्षेत्र के गांव में 16 वर्षीय नाबालिग के साथ गांव के ही चार युवकों द्वारा खेतों में ले जाकर अश्लील हरकत करने पर मामला दर्ज किया गया है लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नही हुई है। इसे लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इस घटना के दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कैथल की आंगनबाड़ी वर्कर कोमल रानी को किया सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्ले स्कूल में बेहतरीन कार्य करने के लिए जिले की इकलौती कर्मचारी का हुआ था चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैथल जिले के गांव माण्डी सदरा की आंगनवाड़ी वर्कर कोमल रानी को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। कोमल रानी को प्ले स्कूल में बेहतरीन कार्य करने के लिए यह सम्मान दिया गया।

वह कैथल जिले की इकलौती महिला थीं, जिनका चयन राज्य पुरस्कार के लिए हुआ। शनिवार को पंचकूला के रेड बिशप में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 50 महिलाओं को

कैथल। प्रोग्राम की समाप्ति के बाद मुख्य मंच के पास डीपीओ गुरजीत कौर के साथ आंगनबाड़ी वर्कर कोमल रानी। *फोटो :हरिभूमि*

उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी गुरजीत कौर ने कोमल रानी को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोमल रानी एक मेहनती और होनहार आंगनवाड़ी वर्कर हैं। उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दिया है। अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित यह सम्मान समारोह महिला शक्ति को प्रोत्साहित करने और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचान देने का बेहतरीन उदाहरण बना। इन कार्यों के लिए किया गया सम्मानितः कोमल रानी ने 11 साल पहले आंगनबाड़ी वर्कर के रूप में अपनी सेवाएं शुरू कीं।

उन्होंने अपने केंद्र में बच्चों की बेहतर देखभाल और विकास पर विशेष ध्यान दिया। बच्चों के पोषण, सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कुपोषण उन्मूलन के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

अतिरिक्त उपायुक्त ने दी बधाई

कोमल रानी की इस उपलब्धि पर कैथल जिला प्रशासन की ओर से एडीसी दीपक बाबूलाल कारवा ने भी उन्हें बधाई दी। कहा कि यह सम्मान न केवल कोमल रानी के लिए, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।कोमल की उपलब्धि ने जिले की अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने और समाज में अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग का यह प्रयास महिलाओं को उनके साहस, परिश्रम और समर्पण के लिए पहचान और सम्मान देने का महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा में गुणवत्ता सुधार

उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र को प्ले स्कूल मॉडल पर विकसित किया, जिससे छोटे बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर मिला। कुपोषण उन्मूलन में योगदानः उन्होंने कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके पोषण स्तर में सुधार के लिए विशेष योजनाओं पर कार्य किया। माताओं को किया जागरूकः बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार लाने के लिए उन्होंने गर्भवती महिलाओं और माताओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया।

कार की डिग्गी में छुपाई थी 16 किलो 306 ग्राम अफीम

50 लाख कीमत की अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

झारखंड से कार में अफीम को तस्करी कर ले जाया जा रहा था मोगा

15 हजार रुपये प्रति डिलीवरी के हिसाब से दिया गया था आरोपितों को मेहनताना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि दिल्ली की तरफ से अफीम की तस्करी कर पंजाब ले जाया जा रहा है
- सीआईए स्टाफ की जींद के नए बाईपास पर अमरहेड़ी के पास नाकाबंदी

सीआईए स्टाफ ने गांव अमरहेड़ी के निकट स्विफ्ट कार सवार तीन लोगों को काबू कर उनके कब्जे से 16 किलो 306 ग्राम अफीम बरामद की है। अफीम झारखंड से तस्करी कर मोगा (पंजाब) ले जाई जा रही थी। पकड़ी गई अफीम की कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से नशे का कारोबार करने वाले लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि दिल्ली की तरफ से स्विफ्ट कार में अफीम की तस्करी कर पंजाब ले जाया जा रहा है। जिसके आधार पर सीआईए स्टाफ ने जींद के नए बाईपास पर गांव अमरहेड़ी के निकट नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद दिल्ली नंबर की स्विफ्ट कार नाके के पास पहुंची। जिस पर पुलिसकर्मियों ने उसे रोक लिया। पुलिसकर्मियों ने जब कार की तलाशी ली तो उसकी डिग्गी में पॉलिथीन में पैकिंग दिखाई दी। पैकिंग को खोल कर देखने पर उसमें अफीम पाई गई। जिसका वजन 16 किलो 306 ग्राम पाया गया। पुलिस पूछताछ में कार सवार लोगों की पहचान झारखंड के गांव कोमना निवासी पप्पू चौधरी, गांव गगरी निवासी रंजीत यादव, गांव डुमरी निवासी सिमरनजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि अफीम को झारखंड से तस्करी कर मोगा पंजाब में ले जाया जाना था। जिसे झारखंड निवासी अनूप ने गाड़ी को उपलब्ध करवा कर अफीम पहुंचाने के लिए कहा था। जिसकी एवज में हर व्यक्ति को 15 हजार रुपये दिए जाने थे। मोगा पहुंचने पर गाड़ी को किसी के हवाले किया जाना था। अफीम की सौदेबाजी मोगा के होटल पर होनी थी।

पूछताछ जारी

डीएसपी संजय ने बताया कि सूचना के आधार पर कार सवार तीन लोगों को काबू कर कब्जे से अफीम को बरामद किया गया है। जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। अफीम को किसके पास पहुंचा जाना था, इस नेटवर्क से कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं के बारे में आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

सड़क निर्माण में लापरवाही का आरोप

मिट्टी के ऊपर ही बजरी डालकर बनाई जा रही सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नई अनाज मंडी में सड़क बनाने का काम किया जा रहा है। स्थानीय आढ़तियों का कहना है कि मिट्टी के ऊपर ही बजरी डालकर मार्केटिंग बोर्ड द्वारा सड़क निर्माण की औपचारिकता पूरी की जा रही है। ऐसे में यह सड़क ज्यादा दिनों तक नही चलेगी। आढ़तियों का कहना है कि सड़क को ठीक तरीके से बनवाया जाए। गौरतलब है कि नई अनाज मंडी में आगामी सरसो व गेहूं सीजन को देखते पहले व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इन व्यवस्थाओं के तहत

जींद। सड़क पर मिट्टी में सीधे डाली जा रही बजरी। *फोटो :हरिभूमि*

अनाज मंडी में सड़क निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है। आढ़तियों का कहना है कि जो सड़क का निर्माण हो रहा है वो घटिया स्तर पर हो रहा है। मिट्टी पर सीधे बजरी डाल कर सड़क निर्माण किया जा रहा है। जबकि रोड़ा डाला जाना चाहिए और उसे दबाया जाना चाहिए। आढ़तियों का कहना कि सड़क का निर्माण सही तरीके से करवाया जाए।

कैथल। मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश। *फोटो :हरिभूमि*

6281 मामलों का किया निपटारा

कैथल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्षा एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितु वाई. के. बहल को देखरेख में शनिवार को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में लोगों को प्रेरित किया कि वे अधिक से अधिक मामलों को निपटा करवा कर लोक अदालत का फायदा उठायें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रितु ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 9413 लंबित मामलों को रखा गया था जिसमें से 6281 मामलों का निपटारा किया गया।

पंकज जैन ने किया कोर्ट परिसर का दौरा

कैथल। कैथल के इंस्पेक्टिंग जज जस्टिस पंकज जैन ने आज अदालत परिसर का दौरा किया। सबसे पहले सैशन जज रितु वाईके बहल ने उन्हें रेस्ट हाऊस में रिसीव करते हुए उनका स्वागत किया। न्यायिक परिसर में अन्य न्यायाधीशों ने भी उनका स्वागत किया। इसके बाद जस्टिस पंकज जैन बार रूम में पहुंचे जहां जिला बार एसो के प्रधान संदीप शर्मा, उप प्रधान हेमराज वधवा, सचिव सचिन सिंघल, सहसचिव अमित रोहिल्ला ने स्वागत किया। संदीप ने बार एसो की ओर से जस्टिस पंकज के सामने नए चैंबर बनवाने और सैक्शन 138 एनआई एक्ट (चैक बाउंस) के मामलों के लिए एक और कोर्ट की मांग की। जैन ने इन दोनों मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया।

छठी से लेकर आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों की डेटशीट में बदलाव

- पहले दस मार्च को होनी थी परीक्षा, अब 25 मार्च से होगी प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से सरकारी स्कूल में छठी से लेकर आठवीं कक्षा में पढने वाले विद्यार्थियों की डेटशीट में बदलाव किया है। छठी, सातवीं और आठवीं कक्षा की जो परीक्षा पहले दस मार्च को होनी थी, वह परीक्षा अब 25 मार्च को होगी। पहले छठी कक्षा की गणित, सातवीं कक्षा की विज्ञान और आठवीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा दस मार्च को होनी थी। प्रश्न पत्र में देरी से छपने के चलते डेटशीट में बदलाव कि या गया है। अब छठी कक्षा की 13 मार्च को हिंदी, 17 मार्च को विज्ञान, 19 मार्च को अंग्रेजी, 21 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 22 मार्च को संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, 24 मार्च को ड्राइंग, गृह विज्ञान, संगीत और 25 मार्च को गणित विषय की परीक्षा होगी। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने बताया कि दस मार्च को होने वाली परीक्षा अब 25 मार्च को होगी। स्कूल मुखियाओं को परीक्षा की तैयारी को लेकर निर्देश दिए गए हैं।

आठवीं कक्षा में 10425 विद्यार्थी परीक्षा में भाग लेंगे

सातवीं कक्षा की 13 मार्च को गणित, 17 मार्च को सामाजिक विज्ञान 19 मार्च को हिंदी, 21 मार्च को अंग्रेजी, 22 मार्च को ड्राइंग, गृह विज्ञान, संगीत विषय, 24 मार्च को संस्कृत, पंजाबी, उर्दू और 25 मार्च को विज्ञान विषय की परीक्षा होगी। आठवीं कक्षा की 13 मार्च को विज्ञान, 17 मार्च को गणित, 19 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 21 मार्च को हिंदी, 22 मार्च को ड्राइंग/गृह विज्ञान/संगीत विषय, 24 मार्च को संस्कृत/पंजाबी, उर्दू और 25 मार्च को अंग्रेजी विषय की परीक्षा होगी। जिलेभर से सरकारी स्कूलों के छठी कक्षा में 9207, सातवीं कक्षा में 9544 और आठवीं कक्षा में 10425 विद्यार्थी परीक्षा में भाग लेंगे।

मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

- दमकल की गाड़ियों ने मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्मिक विद्यालय के निकट गीता कॉलोनी में शनिवार सुबह एक मकान में आग लगने हडकंप मच गया। आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक मकान में रखा लाखों रुपये का सामान, फर्नीचर जल कर राख हो चुका था। आग लगने का मुख्य कारण बैटरी का फटना बताया जा रहा है। शनिवार सुबह राजकीय कन्या वमावि के

पास स्थित गीता कॉलोनी निवासी आशु के घर से धुआं उठने लगा। धीरे-धीरे धुएं ने आग का रूप धारण कर लिया और आग फैलने लगी। आग मकान की पहली मंजिल पर लगी था। हालांकि पहले आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया लेकिन आग लगातार फैलती चली गई। पीवीसी व प्लाई का काम ज्यादा होने के कारण आग ज्यादा फैल गई।

तंग गलिया बनी परेशानी

स्थिति यह थी कि दमकल की गाड़ी एक मकान के छज्जे के नीचे फंस गई और बाद में दमकल की गाड़ी को आगे करके निकालना पड़ा। यहां गली में बिजली की तारों के नीचे होने के कारण भी जमकर की गाड़ी को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मकान मालिक आशु के अनुसार मकान में रखी इनवर्टर बैटरी की बैटरी फट गई होगी, जिससे आग भड़क गई। जैसे ही लोगों ने मकान में से धुआं निकलते देखा तुरंत लोगों ने आज पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया।

आग लगातार भड़कती रही

जिस पर आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़िया मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। लोगों द्वारा गली में छज्जे निकालने के कारण दमकल की गाड़ी को आग लगने के घटना स्थल तक पहुंचने में सफलता नहीं मिली और गाड़ी को थोड़ा दूर खड़ा करना पड़ा। जिस कारण दमकल विभाग को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और आग लगातार भड़कती रही।

जींद के सतीश को एचबीएसई बोर्ड के वाइस चेयरमैन की मिली जिम्मेदारी

- सरकार की शिक्षा संबंधी नीतियों का प्रचार व प्रसार करना लक्ष्य : सतीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) के वाइस चेयरमैन के तौर पर पीजीटी अध्यापक सतीश कुमार को जिम्मेवारी मिली है। अब तक आईएएस पंकज अग्रवाल चेयरमैन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को 10 दिसंबर को हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग के कमीश्नर और सेक्रेटरी के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें चेयरमैन का भी अतिरिक्त कार्यभार दे दिया गया था। अब एचबीएसई में चेयरमैन और वाइस चेयरमैन की स्थायी नियुक्ति की गई है। वाइस चेयरमैन नियुक्त हुए जींद के शाहपुर गांव के सतीश कुमार सफीदों के राजकीय गल्र्ज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पीजीटी हिंदी अध्यापक के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं। शुक्रवार रात को प्रिंसीपल सेक्रेटरी आईएएस पंकज अग्रवाल ने चेयरमैन और वाइस चेयरमैन की नियुक्ति के लिए पत्र जारी कर दिया। इसके बाद शनिवार को सतीश कुमार नियुक्ति के लिए पंचकूला पहुंचे हैं। सतीश कुमार ने कहा कि वाइस चेयरमैन की नियुक्ति के बाद उनका मुख्य लक्ष्य सरकार की शिक्षा संबंधी नीतियों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार व प्रसार करना है।

परेशानी जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को किया सूचित, नहीं हुआ समाधान

गांव की महिलाएं पीने के पानी के लिए दूरदराज खेतों का रूख कर रही

चार दिनों से बधाना जलघर की जली मोटर, पीने के पानी को तरसे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

बधाना गांव स्थित जलघर में लगे सबमर्सीबल की चार दिनों से मोटर जलने के कारण गांव के लोगों को पीने के पानी के लाले पड़े हैं। हालांकि गांव के लोगों ने मामले को लेकर संबंधित विभाग के जेई तथा कर्मचारियों को अनेक बार सूचित किया। फिलहाल समाधान के नाम पर लोगों को केवल आश्वासन मिल रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि चाहे तो विभाग सबमर्सीबल की जली मोटर को बदलकर गांव की जलापूर्ति बहाल कर दे, अन्यथा गांव के लोग सड़क जाम करने पर मजबूर होगें। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। गांव बधाना निवासी रामकरण, विकास, संदीप, राजेश, मनीष, काला, नरेश आदि ने बताया कि करीब चार दिनों से बधाना गांव स्थित जलघर में लगे सबमर्सीबल की मोटर जली हुई है लेकिन विभाग के अधिकारी चार दिन बीत जाने के बावजूद भी सबमर्सीबल में जली मोटर को बदलने की जहमत नहीं उठा रहे हैं। जिसके कारण गांव के लोगों को चार दिनों से पीने के पानी के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

अलेवा। बधाना गांव स्थित जलघर में पीने के पानी से भरे दिखाई देते टैंक।

जल्द होगा समाधान : जेई

जलापूर्ति विभाग के जेई रोहित ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। जल्दी ही सबमर्सीबल में लगी जली मोटर को बदलवा कर गांव की जलापूर्ति बहाल करवा दी जाएगी। गांव के लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

●

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

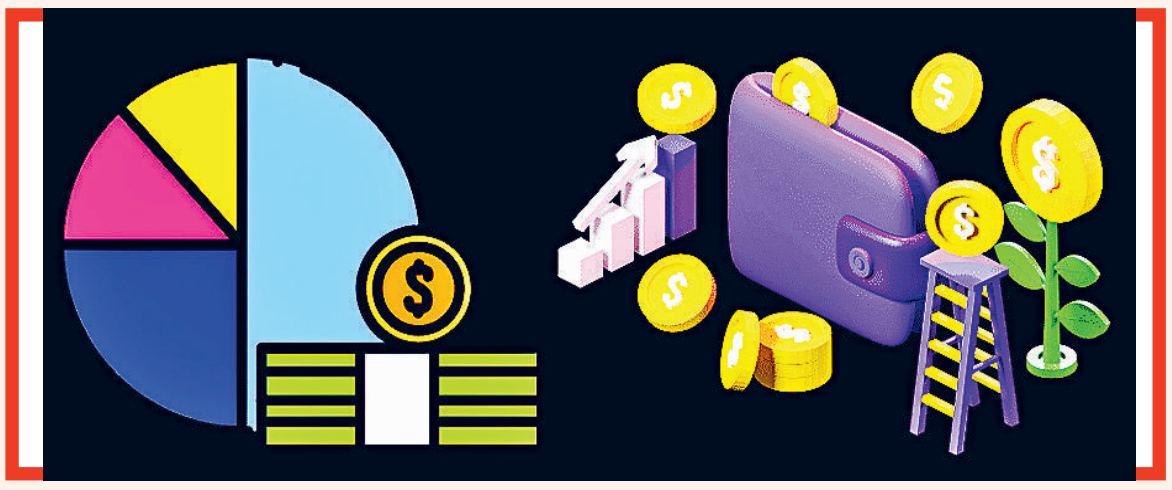

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नींव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत
विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जरूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

यात्रा को विधायक देवेंद्र अत्री ने किया रवाना

जींद। फागुन पर श्री श्याम सेवक समिति उचाना मंडी की अगुवाई में दूसरी पैदल ध्वज यात्रा शनिवार को उचाना से खाटू श्याम के लिए रवाना हुई। महाराजा अग्रसेन मंदिर के पास पुरानी मंडी में सुबह नौ बजे इस यात्रा को विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री, उनकी पत्नी सुषमा अत्री झंडी देकर रवाना किया। श्याम भगत शीशपाल शास्त्री, अनूप खापड़, हैप्पी ने बताया कि आठ मार्च शनिवार को रवाना हुई।

सैनिक वाटिका में जांच शिविर का आयोजन

जींद। गोहाना रोड स्थित सैनिक वाटिका में निःशुल्क हार्ट चेकअप यूरोलॉजी शिविर एवं सैनिक सभा का आयोजन किया गया। कैंप में 105 लोगों ने अपना मेडिकल चेकअप कराया। नोएडा के प्रसिद्ध मेट्रो हार्ट इंस्टीच्यूट के कार्डियोलॉजीस्ट डा. मुमुक आर्य और गुरुजंभेश्वर अस्पताल अग्रोहा के यूरोलॉजिस्ट डा. क्षितिज बिश्नोई ने विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान की।

महिलाओं ने लिया जूट के बैग बनाने का प्रशिक्षण

जींद। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान जींद द्वारा गांव गुरथली में चलाए जा रहे 13 दिवसीय जूट के बैग बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में 35 महिलाओं, लड़कियों ने जूट के बैग बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

26वें फाल्गुन महोत्सव का आयोजन आज से

जींद। श्याम मंदिर में रविवार से 14 मार्च तक 26वें फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समिति प्रवक्ता अशोक सेतिया ने बताया कि नौ मार्च रविवार को दोपहर लगभग सवा तीन बजे श्री श्याम नाम की मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। दस मार्च सोमवार को एकादशी के उपलक्ष में मंदिर प्रांगण में भव्य कीर्तन सायं लगभग सवा चार बजे आयोजित होगा। 11 मंगलवार को सायं सवा पांच बजे मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुंदरकांड पाठ आयोजित होगा।

युवा संसद के रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ाई

जींद। राजकीय महाविद्यालय में आयोजित मीट द प्रेस कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी हरप्रीत ने बताया कि विकसित भारत युवा संसद 2025 के जिला स्तरीय कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि नौ से बढ़ाकर 16 मार्च कर दी गई है। छात्रों को महत्वपूर्ण अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन व वीडियो अपलोड प्रक्रिया को सुचारू रूप से जारी रखने का अनुरोध किया गया है।

सेवा सदन में मेगा रक्तदान शिविर आज

जींद । हिंदू कन्या महाविद्यालय के निकट सेवा सदन में रविवार को हेल्प ए मिशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रधान रजनीश क्वातरा ने बताया कि शिविर में मुख्यअतिथि के तौर पर विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला व आईएमए प्रधान अनिल जैन शिरकत करेंगे।

राजकीय पीजी कॉलेज में मनाया महिला दिवस

सफीदों। राजकीय पीजी कॉलेज में महिला दिवस धूमधाम से मनाया । अध्यक्षता प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने की। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. मनीता व डा. रूचि भारद्वाज ने निभाई। कालेज की महिला स्टाफ व छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

संगठन 27 को चैत्र मास मेला मनाएगा

कलायत। हरियाणा प्रदेश के व्यास संगठन समाज को एकता के सूत्र में मजबूती से बांधने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को जरिया बनाने जा रहा है। इसके तहत समाज के लोग उमंग एवं उत्साह के साथ 27 व 28 मार्च को गुरु पर्व के रूप में हरियाणा प्रदेश के पेहवा में चैत्र मास मेला मनाने जा रहा है।

केएम राजकीय कालेज में 58वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

विद्यार्थी खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं: मनदीप

महिला वर्ग में बेस्ट एथलीट का खिताब बीए अंतिम वर्ष की ईशा के पास रहा

पुरुष 3000 मीटर दौड़ में बीए ऑनर्स मैथ के साहिल प्रथम, बीए प्रथम वर्ष के अजय द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

केएम राजकीय कालेज में 58वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन एथलेटिक्स की विभिन्न गतिविधियों के साथ हुआ।मुख्य अतिथि एशिया कप हॉकी में प्रमुख भूमिका निभाने वाले एशियाई मेडलिस्ट हॉकी मनदीप मोर व विशिष्ट अतिथि उनके कोच संदीप गोयत तथा हाल ही में संपन्न हुई सर्विसेज एथलेटिक्स में 400 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडलिस्ट दिनेश श्योराण जी रहे। प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते कहा कि भारत को बुलंदियों तक पहुंचाने में मनदीप मोर का विशेष योगदान रहा। विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि खेल हमें केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं बनाते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। हार और जीत जीवन का हिस्सा है असली खिलाड़ी वही होता है जो हार कर भी आगे बढ़ने का हौसला रखता है। मुख्य अतिथि मनदीप मोर ने विद्यार्थियों से कहा कि खेल को हमेशा अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। कहा कि खेलों से हम अनुशासन नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर मेजर सुरेंद्र कुमार ने महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। उन्होंने आज के खेलों के परिणाम जारी करते बताया कि हाई जंप पुरुष में बीए द्वितीय वर्ष के अमरजीत प्रथम बीए फाइनल के विक्रम द्वितीय तथा द्वितीय वर्ष के मनप्रीत तीसरे स्थान पर रहे। 800 मी पुरुष दौड़ में अजय बीए प्रथम वर्ष प्रथम स्थान परए बीए द्वितीय वर्ष के सचिन द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष के अमरजीत तृतीय स्थान पर रहे पुरुष हैमर थ्रो में आशीष बीए प्रथम वर्ष प्रथमए बीए फाइनल के आशीष द्वितीय तथा बीए द्वितीय वर्ष के नितिन तीसरे स्थान पर रहे । ट्रिपल जंप पुरुष में बीए फाइनल के विक्रम प्रथमए बीए द्वितीय वर्ष के नितिन द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष के अंकित तृतीय रहे। जैवलिन थ्रो महिला में बीए फाइनल की रिंकू प्रथम बीए फाइनल की ईशा द्वितीय तथा बीए फाइनल की ही बबली तृतीय स्थान पर रही। पुरुष 3000 मीटर दौड़ में बीए ऑनर्स मैथ के साहिल प्रथम बीए प्रथम वर्ष के अजय द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष के अमरजीत तृतीय स्थान पर रहे।

ये रहे विजेता

200 पुरुष रिले रेस में अमन बीए प्रथम वर्ष की टीम प्रथम बी ए अंतिम वर्ष के आशीष व उसकी टीम द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष के अमरजीत व उसकी टीम तृतीय स्थान पर रही। थ्री लैग रेस महिला में ईशा व बुलबुल प्रथम स्थान पर सोनिया व सोनिया द्वितीय तथा आरती व बबली तृतीय स्थान पर रही। 100 मीटर रेस टीचिंग स्टाफ पुरुष में फिजिक्स डिपार्टमेंट के राजीव चहल प्रथमए केमिस्ट्री डिपार्टमेंट के सतीश मोर द्वितीय तथा ज्योग्राफी विभाग के गुरजीत तीसरे स्थान पर व कंप्यूटर विभाग से जोगेंद्र चौथे स्थान पर रहे। पोटैटो स्पून रेस महिला में इंग्लिश डिपार्टमेंट से मुकेश बेनीवाल प्रथमए लाइब्रेरी से सुनीता दूसरे स्थान पर तथा गणित डिपार्टमेंट से सविता तीसरे स्थान पर रही ।नॉन टीचिंग स्टाफ 100 मीटर रेस में कुलदीप प्रथम स्थान पर फूल कुमार दूसरे स्थान पर तथा सोहनलाल तीसरे व योगेंद्र चौथे स्थान पर रहे। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की पुरुष वर्ग में बेस्ट एथलीट साहिल नैन बीए द्वितीय वर्ष ऑनर्स मैथ रहे तथा महिला वर्ग में बेस्ट एथलीट का खिताब बीए अंतिम वर्ष की ईशा के पास रहा। प्राचार्या डॉ मीनू सिंह नें भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों निर्णायक मंडल व आयोजकों टीचिंग व नॉन टीचिंग सभी का धन्यवाद किया।

छात्राओं ने जमकर उड़ाया गुलाल

- छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक व प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राएं गुलाल उड़ाते।

संयुक्त तत्वाधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में मंच संचालन मैडम रितु देवी ने किया। इसमें उन्होंने होली व महिला दिवस की बधाई देते छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक व प्रेरित किया। अवसर पर संघर्षशील महिला केंद्र (सीएसडब्लू) की प्रभारी ज्योति पीएचडी स्कॉलर पंजाब विवि, चंडीगढ़ को बुलाया। उसने छात्राओं व महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को अपने नाटक के माध्यम से छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, नशे का महिलाओं पर प्रभाव, छेड़छाड़, बलात्कार व एसिड अटैक जैसे मुद्दों को अपने नाटक के माध्यम से दिखाया। संगठन प्रभारी ने छात्राओं से आह्वान किया कि उनके साथ अगर घर में या बाहर, बस में किसी भी तरह की छेड़छाड़ होती है तो उन्हें इसके विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए। प्राचार्य राजेश कुमार सैनी ने सी एस डब्लू संगठन की छात्राओं को महिला दिवस व होली की बधाई देते कहा कि इस तरह की मुहिम हमारी छात्राओं के लिए बहुत लाभदायक है।

कनिष्का निबंध लेखन में द्वितीय

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज की बीए तृतीय वर्ष अर्थशास्त्र की छात्रा कनिष्का ने सामाजिक न्याय दिवस पर गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज संतपुरा के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। निबंध लिखा और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्हें प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार मिला। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है जो सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को मान्यता देता है। डॉ. सीबी सैनी, प्रबंधन सदस्य, डॉ. हरिंदर गुप्ता, प्रिंसिपल इनचार्ज इवनिंग सेशन, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. सुरेंद्र ने बधाई दी।

निबंध लेखन में अव्वल कनिष्का को सम्मानित करते पदाधिकारी।

प्राचार्य डॉ एसएस मेहला का स्वागत करते अधिकारी।

एनएसएस शिविर संपन्न

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज, कैथल की एनएसएस टीम ने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खुराना, कैथल में 2025 के शिविर का सातवां और अंतिम दिन बड़े ही उत्साह और प्रेम से संपन्न किया। अंतिम दिन के पहले चरण में स्कूल परिसर की सफाई की गई। इसके बाद रसायन विज्ञान विभाग की डॉ शिल्पी अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को हमेशा सीखने की इच्छा रखने के लिए प्रेरित किया। दिन के मुख्य अतिथि आरकेएसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ एसएस मेहला थे। स्वयंसेवकों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ कपिल जैन और प्रो मोहित भी समारोह में उपस्थित थे।

महिला अब अबला नहीं सबला : भारद्वाज

- जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर झील में आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। महिलाओं को सम्मानित करते राकेश भारद्वाज। फोटो :हरिभूमि

जिला पंचायत एवं विकास प्रशासन की ओर से उप मंडल उचाना के झील में जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन हुआ। गांव की सरपंच मुकेश देवी की अध्यक्षता में राकेश भारद्वाज जिला कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा मुख्यअतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन उचाना साहित्य सेवा संगठन के महासचिव मास्टर रामप्रसाद ने किया। गांव की महिलाओं की ओर से सरपंच द्वारा कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि राकेश भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि अब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नही हैं। अब अबला सबला हो चुकी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा हरियाणा के पानीपत की धरती से दिया था। उस समय बेटियों की संख्या हजार के पीछे 721 थी लेकिन अब सोच बदल चुकी है। बेटियों की संख्या 900 पार हो चुकी है। आज हरियाणा की बेटियां पूरे देश में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रही है। मीना और अंजू उत्साही महिलाओं द्वारा आप बीती कहानी सुनाई ताकि महिलाएं प्रेरित हो सकें। गांव के राजकीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा बेहतर नृत्य प्रस्तुत किया। एडीपीओ बलिंदर सिंह, एससीपीओ गौरव, रमेश, कुलदीप, मौलिक हेड राजपाल मौजूद रहे।

देश और प्रदेश में अंत्योदय के स्वप्न को साकार कर रही भाजपा : सुदेश कटारिया

- सरकार विकास की गारंटी के साथ आमजन तक पहुंच रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मीडिया एडवाइजर सुदेश को स्मृति चिन्ह देते भाजपा वरिष्ठ नेता जसमेर रजाना।

केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल के मीडिया एडवाइजर सुदेश कटारिया शनिवार को भाजपा वरिष्ठ नेता जसमेर रजाना के आवास पर पहुंचे। सुदेश कटारिया का भव्य स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कटारिया ने कहा कि देश व प्रदेश में अंत्योदय के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा सरकार अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही है। सरकार विकास की गारंटी के साथ आमजन तक पहुंच रही है और लोगों को लाभांवित करने का काम किया है। सरकार ने बिना खर्ची, बिना पर्ची के योग्य युवाओं को रोजगार देने का वायदा किया था। जिस पर सरकार पूरी तरह से खरी उतरी। भाजपा सरकार में उन युवाओं को नौकरी मिली है, जिन्होंने कभी सोचा भी नही था। मेहनत करने वाले युवकों को नौकरी बिना पर्ची, बिना खर्ची के मिली।

जनकल्याणकारी नीतियां बनाई

भाजपा वरिष्ठ नेता जसमेर रजाना ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार हो या फिर प्रदेश में पहले मनोहर और अब नायब सैनी सरकार हो, सबने मिल कर हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी नीतियां बनाई हैं। पीएम जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, लाडली बहना योजना, नारी सम्मान योजना, सखी द वन स्टॉप सेंटर योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना हो, सभी योजनाएं आमजन के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास कर रही हैं।

जींद। कार्यक्रम में प्राध्यापिकाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

महिला दिवस सप्ताह संपन्न

जींद। राजकीय महाविद्यालय में एक्सीलरेट एक्शन थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह संपन्न हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करना, महिलाओं के प्रति सामाजिक पूर्वाग्रह एवं भेदभाव खत्म करना तथा महिला सशक्तिकरण और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना रहा। प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता और महिला प्रकोष्ठ के सक्रिय प्रयासों से यह आयोजन सफल रहा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक्सीलरेट एक्शन हमें लैंगिक समानता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा समाज बनाना है, जहां सभी को समान अवसर और सम्मान मिले। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में राजकीय कालेज अलेवा की प्राचार्य वीना बहल, डा. पूनम मलिक, कमल आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सैनी की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी दलों में खलबली मची : कंडेला

- लोगों ने कांग्रेस पार्टी और अन्य पार्टियों का सुपड़ा साफ कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। टेकराम कंडेला अपने कार्यकर्ताओं के साथ। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा सहकारी श्रम निर्माण प्रसंग के पूर्व चेयरमैन व भाजपा के वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने अपने गांव के राष्ट्रीय मुख्यालय पर बोलते कहा कि हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री की किसान मजदूर गरीब आदमी में बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी दलों में खलबली मची है। प्रदेश के सीएम दिन रात लोगों के बीच में रहकर हर आदमी की समस्या का समाधान करते हैं। कंडेला ने कहा कि सोनीपत, जींद, भिवानी हिसार जैसे जिलों में जहां खाप पंचायतों व किसान आंदोलन का गढ़ माना जाता था, पिछले चुनाव में इन जिलों के लोगों ने कांग्रेस पार्टी व अन्य पार्टियों का सुपड़ा साफ कर दिया है। आज प्रदेश के मुख्यमंत्री किसानों की सभी फसलों पर एमएसपी देकर किसान हित में कार्य कर रहे हैं। कंडेला ने कहा कि पंजाब की सरकार ने पंजाब के किसानों की समस्याओं का हल करना चाहिए। देश के पीएम नरेंद्र मोदी रेलवे और सड़कतंत्र को मजबूत करके देश में विकास की गति को तेज कर रहे है।

जींद। रोजखेड़ा गांव में जागरूकता रैली निकालते छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली

जींद। राजीव गांधी महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप के तीसरे दिन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ राजेश श्योकंद की अगवाई में एनएसएस के विद्यार्थियों ने रोजखेड़ा गांव में समाज में फैली बुराई एवं नशा मुक्ति के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया। जिस रैली के माध्यम से ग्रामीणों को सफाई का महत्व, नशा मुक्त समाज, महिला सशक्तिकरण तथा शिक्षा का महत्व समझाया गया। विद्यार्थियों ने महिलाओं से बात करके परिवार निर्माण में उनकी भूमिका समझाई तथा पुरुषों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात महाविद्यालय में एक सेमिनार का आयोजन किया गया सभी छात्राओं ने अपना परिचय देते हुए महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखें तथा महिलाओं के अधिकारों और कर्तव्यों पर चर्चा की।

कार्यक्रम | गांव गढ़ी पाडला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

पॉलीथिन का प्रयोग कम करना और जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत

कैथल: स्वच्छता केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गढ़ी पाडला में पंचायत अधिकारी अनुराग दत महिलाओं को संबोधित करते।

अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गांव गढ़ी पाडला में पंचायत अधिकारी अनुराग दत और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के खंड संयोजक नरेंद्र सिंह ने महिलाओं को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। पॉलिथीन मुक्त अभियान और जल संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व गांव की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सरपंच महिपाल सिंह की मौजूदगी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुरेश कुमारी और विमला देवी ने ग्रामीणों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। नरेंद्र सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अभियान के तहत पॉलिथीन का प्रयोग कम करना और जल संरक्षण करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। ग्रामीणों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पंचायत अधिकारी अनुराग दत ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते कहा कि जब तक हम खुद बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक स्वच्छता का सपना पूरा नहीं होगा। आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे अपने गांव को स्वच्छ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय योगदान देंगी।

स्वच्छता के महत्व को समझो : सेव

जींद। सामाजिक संस्था सोसायटी फोर एडवांसमेंट ऑफ वलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार को सफीदों रोड पर स्कीम नंबर पांच से अटल पार्क एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 416 वां अभियान संस्था के पूर्व सचिव सुजान सिंह पूनिया की अध्यक्षता में चलाया गया। हम सभी ने स्वच्छता के प्रति जागरूक होना चाहिए।

जींद। सिलाई के गुर सीखते हुए महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

सिलाई की बारिकीयों से अवगत करवाया

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा एडवांस सिलाई का तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसका समापन शनिवार को किया गया। इस कार्यशाला में छात्राओं ने नई-नई डिजाइन की कॉलर, गला और बाजू बनाना सीखा। फैशन डिजाइन की प्राध्यापिका सुदेश ने छात्राओं की सिलाई की बारीकियां से अवगत करवाया। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. पूनम मोर ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि सिलाई से स्वयं का रोजगार शुरू करके कमाई का जरिया बना सकती हैं। गृह विज्ञान विभाग के इंचार्ज आरती सैनी ने सुदेश का आभार जताते हुए धन्यवाद किया और भविष्य में इस तरह की कार्यशाला का आयोजन करवाते रहने का आश्वासन दिया। इस दौरान गृह विज्ञान की प्राध्यापिका तनु रानी व अनु रानी मौजूद रही।

खबर संक्षेप

प्राचार्य प्रो. अवतार सिंह द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए

हर क्षेत्र में महिलाओं की प्रभावी भूमिका

गुहला-चीका। डीएवी कॉलेज, चीका की एनएसएस इकाइयों द्वारा 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मैडम हिना बिंदलिश रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वराज न्यूज की प्रमुख मैडम कोमल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. आनंद ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मैडम हिना बिंदलिश ने कहा कि आज की भारतीय महिला हर क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रही है और अपनी छाप छोड़ रही है। विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं।

समाज को सशक्त बनाने के लिए महिला अहम

राजौंद। दि राजौंद प्राइमरी एग्रीकल्चर कोआपरेटिव सोसाइटी राजौंद में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इसमें स्टाफ के सदस्यों के साथ-साथ महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाराणा प्रताप स्कूल की प्रधानाचार्या बिंदु रानी ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि यदि हमारे समाज में महिलाएं सशक्त होंगी तो हमारा समाज भी उतना ही सशक्त होगा और यही दृश्य आज हम देख रहे हैं महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है वह अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमा चुकी है। शिक्षा का क्षेत्र हो विज्ञान का क्षेत्र चाहे खेलकूद का क्षेत्र हो वह कहीं भी पीछे नहीं है और जरूरत है हमें इसको और आगे बढ़ाने की। इस दौरान पैक्स प्रबंधक महेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को शाल भेंट की।

महिलाओं का समाज में अहम योगदान : डॉ. मधु

राजौंद। अमरनाथ भगत जयराम राजकीय कन्या महाविद्यालय सेरधा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली पर्व का मनाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ मधु बलिया ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में कालेज की सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। होली पर्व रंगों और संगीत के साथ मनाया गया। कालेज के प्रधानाचार्य ने कालेज की सभी छात्राओं और सब स्टाफ सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के और होली पर्व के शुभकामनाएं दे। डॉ मधु वालिया ने महिला दिवस पर यह बात कही।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अनेक कार्यक्रम

समाज में अहम योगदान देने पर महिलाओं को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

- जींद में जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य करने वाली 25 महिलाओं को मिला सम्मान
- दृढ़ इच्छा शक्ति व मेहनत के बल पर महिलाओं ने समाज में बनाई अलग पहचान

जींद। दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए व महिलाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिलाभर में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में अहम योगदान देने पर महिलाओं को सम्मानित किया गया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन द्वारा शनिवार को जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्यातिथि के तौर पर कार्यकारी अभियंता एवं नोडल अधिकारी संजीव कुमार उपस्थित रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सलाहाकार रणधीर मताना ने की।

मुख्यातिथि ने उपमंडल अभियंता सुनीता, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी कांता यादव, कनिष्ठ अभियंता रितु सहारण, खंड समन्वयक सोमलता सैनी, कंप्यूटर ऑपरेटर भतेरी सहारण, सुंदरपुर सरपंच वंदना शर्मा, डिंडोली सरपंच परमजीत कोर, गुरुसर सरपंच गीतांजलि, आंगनवाड़ी वर्कर सुमन, अंनु देवी, बबीता रानी, रेखा, सुमन रानी, निर्मला, ऊषा देवी, ज्योति, पूजा, संगीता, वंदना, शालू, सुशीला, मेना देवी, पवन कुमारी, सुदेश कुमारी, फिटर राजवंती व कांता को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता एवं नोडल अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि महिलाओं को दृढ़ इच्छा शक्ति व मेहनत के सहारे आगे बढना चाहिए। आज समाज में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिल रहे हैं। पिछले काफी वर्षों से महिलाओं ने समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है। महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नही हैं। अपने बलबूते पर महिलाओं ने बड़े-बड़े पदों पर पहुंचने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों को नाको चने चबवा दिए थे। जिला सलाहकार रणधीर मताना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि महिलाओं द्वारा जल संरक्षण के लिए किए गए अभूतपूर्व कार्य को देखते हुए विभाग द्वारा इन 25 महिलाओं को सम्मानित किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में सहस्त्रदेवी शीर्षा मंडल के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुपूजन और भावातीत ध्यान के साथ हुआ। जिससे एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण बना। विद्यालय की अध्यापिकाओं ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से कार्यक्रम को विशेष बना दिया। अध्यापिका रेखा ने फूल जैसी कोमल नारी, कांटों जैसी कठोर नारी कविता से नारी जीवन की व्यथा को अभिव्यक्त किया। अध्यापिका आशा ने मंदिर जांदी मीरा को कृष्ण मिल गया की मधुर प्रस्तुति दी। अध्यापिका शशि ने बिन नारी बनता नही, एक सुखी परिवार। नारी को सम्मान दो, यह उसका अधिकार के माध्यम से नारी गरिमा का संदेश दिया। अध्यापिका अनु ने नारी तुम आस्था हो, तुम प्यार, विश्वास हो, टूटी हुई उम्मीदों की एकमात्र आस हो कविता से सभी को प्रेरित किया। अध्यापिका संजू ने ये कैसी आवाज है मेरी के माध्यम से महिलाओं की आवाज को बुलंद किया। अध्यापिका प्रियंका ने बहन, बेटी, बहू कई रूपों में अपना कर्तव्य निभाती, नारी ईश्वर का चमत्कार, नारी सरस्वती का रूप हो तुम, नारी लक्ष्मी का स्वरूप हो तुम पंक्तियों से नारी के महत्व को दर्शाया।

उपस्वास्थ्य केंद्र जाजवान पर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

उपस्वास्थ्य केंद्र जाजवान पर मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

उपस्वास्थ्य केंद्र जाजवान पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस दौरान सुशील शर्मा, रिनु शर्मा व सुनीता कुमारी एमपीएच डब्ल्यू ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूक करते हुए कहा कि महिलाओं की ताकत और सम्मान के प्रतीक के रूप में हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को आठ मार्च को पूरी दुनिया में मनाते हैं। यह दिन महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता और उनके सशक्तिकरण के प्रति जागरुकता फैलाने वाले दिन का प्रतीक है। आधुनिक समाज में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिर भी वे कई चुनौतियों और भेदभाव का सामना कर रही हैं। महिलाएं हमारे समाज के विभिन्न भूमिकाएं निभाती है। माता के रूप में एवे अपने बच्चों को पालती है और उन्हें संस्कार देती है, पत्नी के रूप में वे अपने परिवार को साथ रखती है और उनके लिए काम करती है।

महिला दौड़ में सुनीता रही प्रथम

महिला दिवस के उपलक्ष में नेहरू युवा केंद्र जींद व हरियाणा राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में ढालमवाला पब्लिक स्कूल में गाइड विंग ने महिला दिवस मनाया और महिलाओं की 100 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। महिलाओं की दौड़ में प्रथम स्थान पर सुनीता, दूसरा स्थान पिंकी व तीसरा स्थान प्रीति ने प्राप्त किया। स्कूल के डायरेक्टर मोहित दालमवाला व प्रिंसिपल सुनीता शर्मा ने विजेताओं को सम्मान देकर सम्मानित किया। स्कूल के छात्रों दौड़ के दौरान महिलाओं, अध्यापिकाओं का उत्साह बढ़ाया।

महिलाओं को किया सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सर्वजन एजुकेशनल एंड वोकेशनल संस्था द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि ओमप्रकाश ने महिलाओं की उपलब्धियों और उनके समाज में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा की तरफ ध्यान देना होगा। क्योंकि महिलाओं का उत्थान शिक्षा से ही संभव है। आज के वर्तमान युग में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नही हैं। मुख्य वक्ता अभिषेक जुलाना ने कहा कि महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। एक कामयाब आदमी के पीछे उसकी पत्नी का ही नही बल्कि उस सभी नारी स्वरूपों को का हाथ होता है। जिसमें बेटी बहन मां मित्र शामिल हैं। इस अवसर पर महिला सामाजिक कार्यकर्ता, महिला खिलाड़ी, नेत्रहीन महिला खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया। जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किए हैं। सम्मान प्राप्त करने वालों में डा. किरण शर्मा, मंजू गौतम, सुमन सैनी, सोनिया खटक, सरिता भारद्वाज, सुषमा, पूनम, कमलेश राणा, रचना सिसरोली आदि मौजूद रहे।

वकील वकालत को पेशा न समझकर उसे जिम्मेदारी के तौर पर अपनाएं: न्यायमूर्ति निधि गुप्ता

न्यायमूर्ति निधि ने किया सफीदों न्यायालय परिसर का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति निधि गुप्ता ने शनिवार को सफीदों न्यायालय परिसर का दौरा किया और अदालतों में रखे लंबित मामलों तथा सब डिवीजन स्तर पर लगाई गई राष्ट्रीय लोक अदालत की कार्रवाई व प्रगति की समीक्षा की। इस मौके पर एडीजे जयवीर सिंह, सीजेएम जयबीर, अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिविजन कम सब डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अमनदीप, जूनियर मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमित नैन, जेएमआईसी अनीषा विशेष रूप से मौजूद रहे। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति निधि गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों का निपटारा करें। कई बार जानकारी के अभाव में लोगों को लोक अदालतों की कार्यप्रणाली के बारे में ज्ञान नहीं होता, ऐसे में उनको इस प्रणाली से अवगत कराएं और आपसी समझौते से हो सकने वाले मामलों में लोक अदालतों में ज्यादा से ज्यादा मामले रखने के प्रयास करें। लोगों को बताएं कि लोक अदालत में सस्ता व सुलभ न्याय मिलता है तथा इसकी प्रक्रिया बिल्कुल साधारण है।

बार रूम में अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति निधि गुप्ता।

बार एसोसिएशन में स्वागत

न्यायाधीश न्यायमूर्ति निधि गुप्ता का बार एसोसिएशन द्वारा बार रूम में स्वागत किया गया। बार एसोसिएशन प्रधान एडवोकेट कुनाल अग्रवाल, उपप्रधान रोहित तनेजा, सचिव नरेंद्र शर्मा व सहसचिव्ख एडवोकेट अन्नु सैनी व अन्य पदाधिकारियों ने न्यायमूर्ति का शॉल व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया और मांगपत्र देकर उन्हे अपनी समस्याओं से अवगत करवाया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 11,811 मामलों का निपटारा

जींद। राष्ट्रीय एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायालय जींद तथा उपमंडल न्यायालय नरवाना और सफीदों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवीर सिंह राठौर के मार्गदर्शन में किया गया।

इस दौरान विभिन्न बेंचों ने 45 करोड़ 53 लाख 24 हजार 400 की कुल सुलह राशि के साथ 11,811 मामलों का निपटारा किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने दी है। इससे लोगों को काफी फायदा हुआ।

महिलाओं के सशक्तिकरण से समाज होगा मजबूत

कैथल पुलिस ने महिला थाने में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल पुलिस द्वारा महिला थाने में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डीएसपी वीरभान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गीता और महिला थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर वीना ने डीएसपी वीरभान का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और महिला पुलिसकर्मियों ने महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, जागरूकता और महिला अधिकारों को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारों, सुरक्षा और जागरूकता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

डीएसपी वीरभान ने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा, /"महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि समाज के विकास की नींव है। जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सुरक्षित होंगी, तभी हमारा समाज वास्तविक रूप से आगे बढ़ेगा।/" उन्होंने आगे कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, चाहे वह प्रशासन हो, सेना हो, पुलिस बल हो या फिर कोई अन्य पेशा।

महिला दिवस के अवसर पर डीएसपी वीरभान महिला थाना की कर्मचारियों के साथ

महिला दिवस शेष

कोहिनूर इंटरनेशनल एकेडमी में महिला दिवस पर कार्यक्रम

गुहला-चीका। टटियाणा स्थित कोहिनूर इंटरनेशनल एकेडमी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में अकैडमी की प्रधानाचार्या श्रीमती कंवलजीत कौर बाजवा और चेयरपर्सन डॉ. सुखविंदर कौर का पुष्प-वर्षा से स्वागत किया गया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक भाषण में विद्यार्थियों को इस दिवस के महत्व, इसकी परंपरा और महिलाओं के संघर्ष व उपलब्धियों से अवगत कराया।

बैठक में लिया गया फैसला

सतीश मग्गू श्री राधे चरण पादुका सेवा समिति के उप प्रधान मनोनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

श्री राधे चरण पादुका सेवा समिति द्वारा शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उप प्रधान पद का चयन किया गया। जिसमें सतीश मग्गू को उप प्रधान पद के लिए मनोनित किया गया। समिति प्रधान बलदेव राज गिरधर ने बताया कि समिति द्वारा पिछले 15 वर्षों से गौसेवा के लिए कार्य किया जाता है। हर घर तुलसी अभियान चलाया जाता है। अभियान के तहत समिति सदस्य हर घर तुलसी पहुंचाने का काम करते हैं। महासचिव विपिन आहूजा ने बताया कि सभी समिति सदस्य गौसेवा के उद्देश्य को लेकर एक साथ हैं।

जींद। सतीश मग्गू को लाल चुनरी पहना कर उप प्रधान पद सौंपते हुए समिति सदस्य।

सभी बूथ अध्यक्ष अपने-अपने बूथ पर पूरी बूथ कमेटी गठित करें: अशोक गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

भारतीय जनता पार्टी मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र क्योडक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री कार्यक्रम के संयोंजक अशोक गुर्जर व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़ ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजपाल तंवर पहुंचे। इस बैठक में सभी शक्ति केंद्र प्रमुख को निर्देश दिए की सभी बुथ अध्यक्ष अपने-अपने बूथ पर पूरी बुथ कमेटी गठित करें और उस कमेटी को गठित करने के उपरांत ऑनलाइन अपलोड करें ताकि पार्टी और संगठन आगे के कार्यक्रम कर सके और सरकार की योजना को हर घर तक पहुंच सके। आगामी कार्यक्रमों को गति देने के लिए आगामी बैठक हर शक्ति केंद्र पर करनी है। उस बैठक में सभी बुथ अध्यक्ष त्रिदेव शामिल होंगे। बैठक में रघुवीर फौजी ,रामधन शर्मा, उदय गोरा, पालाराम कश्यप ,शमशेर सिंह सिधू ,दर्शन सपली खेड़ी ,सुरेश कुमार, रामप्रताप राणा ,ईश्वर नैना ,बारु राम ,वेद प्रकाश आदि उपस्थित थे।

भाजपा की बैठक में भाग लेते मुख्यमंत्री कार्यक्रम के संयोंजक अशोक गुर्जर व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़

सीनियर सिटीजन फोरम ने डिप्टी स्पीकर की माता को किया सम्मानित

जींद। सीनियर सिटीजन फोरम तथा राजकीय महिला महाविद्यालय ने मिलकर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उन महिलाओं को सम्मानित किया, जिन्होंने और जिनकी संतान ने समाज में चलकर एक विशिष्ट पहचान का निर्माण किया है। इसी कड़ी में सभी एकत्रित होकर वरिष्ठ नागरिक फोरम से डा. एकेचावला, ऊषा चावला, सरोज जैन, कांता तथा राजकीय महिला महाविद्यालय से प्राचार्य जयनारायण गहलावत, सुमिता आशरी ने मिलकर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर की माता विद्यावंती को सम्मानित किया। इसी कड़ी में मोहिनी बहल, कृष्णावंती, स्वर्ण कौर को भी सम्मानित किया गया। डा. अविनाश चावला ने कहा कि बुजुर्ग हमारी सामाजिक व्यवस्था की नींव है और यदि हमें इनका संपर्क, संसर्ग, सामिप्य और सान्निध्य मिलता रहे तो हमारी उन्नति और प्रगति को कोई रोक नहीं सकता। छोटूराम किसान महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ शाखा ने हरियाणा विधानसभा डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिद्धा की माता विद्यावती को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्राचार्य डा. कुलबीर रेढू ने सम्मानित किया। वहीं महिला प्राध्यापिका डा. मीनाक्षी पोरिया, डा. सुशील शर्मा, डा. अंजू लाठर, डा. मीनाक्षी मलिक ने विद्यावती को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्राचार्या डा. कुलबीर रेढू ने छात्राओं तथा महिला प्राध्यापिकाओं के बीच में बुद्धि परीक्षण प्रतियोगिताएं करवा कर छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीनाक्षी पोरिया ने छात्राओं को अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के गुर सिखाए।

समाज की प्रगति के लिए महिलाओं को शिक्षित करना जरूरी: कृष्ण बेदी

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत आने वाले लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में महिलाओं को दिया गाया 33 प्रतिशत आरक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

महिलाओं को शिक्षित करने से हम पीढ़ियों को शिक्षित करते है और इससे एक न्याय संगत समाज का निर्माण भी होता है। समाज की प्रगति के लिए महिलाओं का शिक्षित होना अत्यंत जरूरी हैए एक महिला शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित भी होता है।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत आने वाले लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं भी बनाई जा रही है। यह विचार हरियाणा के सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने शनिवार को एलआईसी रोड़ स्थित भगवान वाल्मीकि भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं भगवान वाल्मीकि विधा केन्द्र पुस्तकालय के शुभारम्भ अवसर पर होली मिलन समारोह में आमजन को सम्बोन्धित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने इस अवसर पर भगवान वाल्मीकि विद्या केन्द्र पुस्तकालय का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय के बनने से युवाओं को रोजगार प्राप्त होंगे और उनका भविष्य भी उज्जवल होगा। हर घर गृहणी योजना के तहत महिलाओं को 500 रूपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे है।

नरवाना। शुभारंभ करते हुए मंत्री बेदी। फोटो :हरिभूमि

प्रॉपर्टी टैक्स का बिल देरी से बांटने से पालिकाओं को नुकसान

जींद। कर सलाहाकार एवं पूर्व पार्षद जिले सिंह जागलान ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के लिए प्रोपर्टी टैक्स बिल बांटने का ठेका दिया गया था तथा इन बिलों को जायदाद मालिकों तक पहुंचाने की अंतिम तिथि 30 जून 2024 तय की गई थी। जिन्हें जमा नगर परिषद में करवाने के लिए 10 प्रतिशत की छूट के साथ निर्धारित 31 जुलाई रखी गई थी। प्रोपर्टी टैक्स बिलों पर भी अंकित की गई है। परंतू ठेकेदार ने भारी लापरवाही के चलते इन बिलों को 31 जुलाई निकलने के बाद ही आज तक भी वितरित किए जा रहे हैं। जिसके के कारण बहुत कम जायदाद मालिक ही अपना प्रोपर्टी टैक्स समय पर जमा करवा पाए हैं। 10% की छूट नही मिलने के कारण अब वे प्रोपर्टी टैक्स जमा करवाने मे कोई भी रुचि नहीं ले रहे हैं। प्रोपर्टी टैक्स के स्वीकृत बिल नौ करोड़ 55 लाख में से एक करोड़ 56 लाख रुपये के लगभग ही प्रोपर्टी टैक्स नगर परिषदों के जमा हो सका।

महिलाओं का सम्मान समाज की प्रगति का आधार

कैथल। दर्शन अकादमी 5 माइल कैथल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को सराहना देना और समाज में

महिला दिवस और होली पर्व का आयोजन किया गया

पूंडरी। डीएवी कॉलेज पूंडरी के सभागार कक्ष में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और होली पर्व का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं, शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. सुभाष तंवर ने छात्राओं को संबोधित किया और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं की वर्तमान स्थिति, उनके योगदान और नए भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर चर्चा की। डॉ. तंवर ने कहा कि समाज, परिवार और राष्ट्र के विकास के लिए महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से कार्य करना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को जीवन में आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी : सावित्री देवी

राजौंद। गांव खेड़ी राओ वाली के आंगनबाड़ी केंद्र में नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी दीक्षा मिश्रा के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस दौरान राजौंद ब्लॉक की स्वयंसेविका गुरप्रीत कौर ने ड्राइंग प्रतियोगिता व निम्बू दौड़ प्रतियोगिता करवाई। इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सावित्री देवी व नेहरू युवा केंद्र कैथल के ब्लॉक स्वयंसेविका गुरप्रीत कौर ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है और इसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सम्मान देना है। महिलाओं ने इतिहास में हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

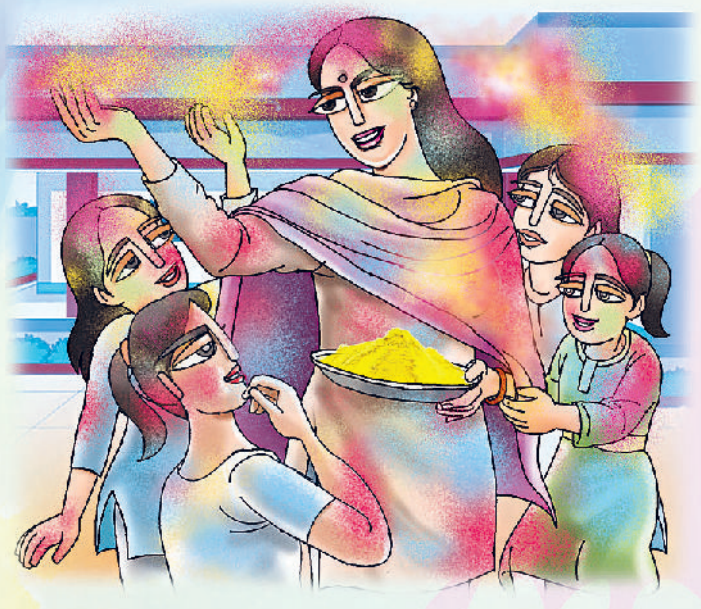

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से त्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग केलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

आदिवासियों की होली में मेहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियां पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

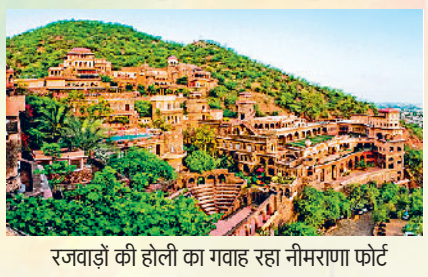

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

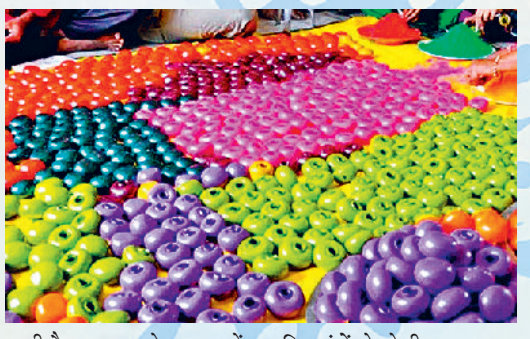

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर

विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकारों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *